खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर से चांदी का मुकुट किया पार

कटनी। ग्राम देवरा कला के स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने मंदिर के कपाट का ताला तोड़कर भगवान हनुमान जी का करीब 1 किलोग्राम वजनी चांदी का मुकुट चोरी कर लिया। सुबह जब पुजारी और स्थानीय ग्रामीण पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तब इस बड़ी वारदात का खुलासा हुआ। रोजाना की तरह आज सुबह जब मंदिर के पुजारी पूजा के लिए पहुंचे, तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ देख उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो हनुमान जी की प्रतिमा पर सुशोभित भव्य चांदी का मुकुट गायब था। चोरी गए 1 किलो वजनी मुकुट की कीमत हजारों रुपये आंकी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और मंदिर समिति व ग्रामीणों से पूछताछ की।

जैन मंदिर में की दानपेटी से नगदी ले गये चोर

कटनी। पिपरोध स्थित जैन मंदिर में बीती रात अज्ञात चोरों ने चोरी की कोशिश की। मंदिर में स्थापित सभी पवित्र जैन प्रतिमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और चोर मुख्य गर्भगृह में घुसने में नाकाम रहे। जानकारी के अनुसार, शातिर चोरों ने मंदिर के मुख्य द्वार और गर्भगृह का ताला तोड़ने का काफी प्रयास किया। चोरों द्वारा किए गए प्रहार से ताला पूरी तरह टेढ़ा हो गया, लेकिन वह टूट नहीं सका। ताला मजबूत होने के कारण चोर मंदिर के मुख्य हिस्से में दाखिल नहीं हो पाए, जिससे एक बड़ी वारदात होने से टल गई। मुख्य मंदिर के अंदर जाने में असफल रहने के बाद चोरों ने परिसर में रखी गुप्त दानपेटियों पर हाथ साफ किया। बताया जा रहा है कि चोरों ने दानपेटियों के ताले तोड़कर उसमें जमा की गई लगभग 80 की अनुमानित नगद राशि चोरी कर ली और मौके से रफूचक्कर हो गए। घटना के बाद से स्थानीय जैन समाज और ग्रामीणों में रोष है।

जालसाजों ने खाते से उड़ाए 72 हजार रुपये

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के इंद्रानगर निवासी एक व्यक्ति का मोबाइल हैक कर यूपीआई के जरिए उनके बैंक खाते से 72,000 रुपये साफ कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नए कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इंद्रानगर गली नंबर 3 के निवासी 36 वर्षीय शिवेंद्र सिंह बघेल की क्षेत्र में ही दुकान है। वारदात वाले दिन शिवेंद्र अपनी दुकान पर थे, तभी अज्ञात साइबर अपराधियों ने तकनीकी सेंधमारी करते हुए उनकी बिना अनुमति के उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया। मोबाइल का एक्सेस मिलते ही ठगों ने यूपीआई आईडी का इस्तेमाल कर पलक झपकते ही खाते से कुल 72 हजार रुपये अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए उड़ा दिए। जब शिवेंद्र के पास खाते से पैसे कटने के मैसेज आए, तब जाकर उन्हें इस बड़ी ठगी का अहसास हुआ। मोबाइल पूरी तरह उनके पास था, लेकिन उसका कंट्रोल किसी और के हाथ में जा चुका था। पीड़ित ने थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

देवगाँव व सिमरा में उद्योग विभाग को भूमि हस्तांतरण के मामले में ग्रामीणों का फूटा आक्रोश

भूमि हस्तांतरण पर रार: कलेक्ट्रेट के सामने ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन, लगाये आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

रीठी तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिमरा और देवगांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के मुख्य द्वार पर जोरदार प्रदर्शन किया। मूसलाधार बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण, जिनमें विशेष रूप से महिला, किसान और ग्रामीणजन शामिल थे। वे अपनी जमीन बचाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट के सामने करीब दो घण्टो तक धरना -प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ओर प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी हुई। बाद में संयुक्त कलेक्टर द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद ही ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त किया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ग्रामीण मुकेश यादव ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा, वर्षों से इन जमीनों पर काबिज सैकड़ों गरीब परिवारों को उद्योगपतियों के इशारे पर उजाड़ने की साजिश रची जा रही है। हम किसी भी कीमत पर अपनी पुश्तैनी और निस्तारी की जमीन उद्योगों के लिए नहीं सौंपेंगे।

ग्रामीणों के आक्रोश का मुख्य कारण न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) / नजूल अधिकारी कटनी द्वारा गत 23 जून 2026 को जारी किया गया एक आम इश्तहार है। इस नोटिस के माध्यम से ग्रामीणों को पता चला कि ग्राम सिमरा (नंबर 1), तहसील रीठी की कुल 12 खसरों की अविकसित शासकीय भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिए एम.आईडीसी' औद्योगिक विकास निगम क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर को आवंटित किया जाना प्रस्तावित है।

इन भूमि को लेकर गहराया विवाद

खसरा क्रमांकः 434, 689, 490, 851, 667, 433, 685, 493, 676, 491, 857, एवं 492 कुल रकबाः विभिन्न टुकड़ों में कुल मिलाकर करीब 34 हेक्टेयर से अधिक की भूमि का हस्तांतरण किया जा रहा है।

कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि आवंटन के लिए प्रस्तावित भूमि के खसरा क्रमांक 490 और 689 पर ग्रामीण पिछले कई वर्षों से पक्के और कच्चे मकान बनाकर परिवार सहित निवास कर रहे हैं। इसके अलावा, शेष खसरों की भूमि का उपयोग पूरे गांव के लोग अपने मवेशियों को चराने और सार्वजनिक निस्तार दैनिक उपयोग के लिए करते हैं। यदि यह भूमि उद्योग विभाग को दे दी गई, तो ग्रामीणों के सामने रहने और मवेशियों को पालने का बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा।

तहसील में दर्ज कराई आपत्ति

ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने 6 जुलाई 2026 को रीठी तहसील कार्यालय पहुंचकर सामूहिक रूप से लिखित आपत्ति दर्ज कराई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस आवंटन से न केवल उनका भविष्य अंधकारमय होगा, बल्कि गांवों के स्थानीय विकास कार्य भी पूरी तरह बाधित हो जाएंगे। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस शासकीय भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिए आवंटित करने का प्रस्ताव तुरंत निरस्त किया जाए।

इस दौरान कांग्रेस नेता मुकेश यादव, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद इसराइल, यूथ विधानसभा अध्यक्ष दीपक यादव,वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकेश यादव, रामसुजान यादव, शशि आदिवासी, रामसुजान बर्मन,जवाहर यादव,भागवत यादव, बलीराम चौधरी, कटुआ चौधरी, रामरतन, रामलाल, सरमन, त्रिलोक,मं गतराम, धनीराम बर्मन, मुकेश बर्मन,पंकज सेन,धनीराम बर्मन, संत कुमार, ख़ुशीराम आदि की उपस्थिति रही।

बारिश से उमरियापान अस्पताल में भरा पानी मरीज व परिजन परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमरियापान में बारिश शुरू होते ही जलभराव की समस्या फिर सामने आ गई है। थोड़ी देर की बारिश में ही अस्पताल परिसर और मुख्य प्रवेश मार्ग पर पानी भर जाता है।जिससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बारिश के दौरान अस्पताल के दोनों ओर पानी जमा हो जाता है। आसपास की सड़कों का पानी भी बहकर अस्पताल परिसर में पहुंचता है, लेकिन जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से घंटों तक पानी भरा रहता है। ऐसे में अस्पताल पहुंचने वाले लोगों को बीच रास्ते में रुकना पड़ता है। कई बार मजबूरी में मरीजों और उनके परिजनों को पानी से होकर ही अस्पताल के भीतर जाना पड़ता है।बारिश थमने के बाद भी परिसर से पानी निकलने में कई घंटे लग जाते हैं। तब तक मरीजों की आवाजाही प्रभावित रहती है।

बरसात के मौसम में मौसमी बीमारियों के बढ़ने से अस्पताल में मरीजों की संख्या भी अधिक रहती है, ऐसे समय जलभराव की समस्या लोगों की मुश्किलें और बढ़ा देती है। परिसर में भरे पानी के कारण फिसलन और गंदगी बनी रहती है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष बरसात में अस्पताल में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। थोड़ी सी बारिश में ही अस्पताल परिसर तालाब में तब्दील हो जाता है, जिससे मरीजों को उपचार से पहले ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

निकासी की सुविधा नहीं होने से जल भराव की बढ़ी समस्या

झमाझम बारिश से नदी और नाले आये उफान पर, कृषि कार्य ने पकड़ी रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

तहसील क्षेत्र स्लीमनाबाद में सोमवार व मंगलवार को झमाझम बारिश से क्षेत्र के नदी -नाले उफान पर आ गये है,खेत जलमग्न हो गए।वहीं किसानों के चेहरों मे भी खुशियाँ देखने को मिली!क्योंकि हर कृषक इस अवसर का लाभ लेना चाहता था क्योंकि किसान बहुत दिनों से झमाझम बारिश होने का इंतजार कर रहे थे।बारिश हो जाने के बाद अब धान रोपाई कार्य जोर पकड़ेगा। मंगलवार को आसमान मैं मेघों की काली घटाए बारिश का अंबार लेकर आई। घने काले बादल छाये रहने के साथ गरज-चमक के साथ बादल बरसे। जिससे तापमान मैं भी गिरावट आई। बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया। जगह जगह जलभराव हो गया।

जल निकासी के लिए नालियों को साफ-सफाई ग्राम पंचायतों के द्वारा नही कराई गई जिस कारण रहवासियों को जलभराव स्थिति के चलते आवागमन में समस्याओ का सामना करना पड़ा जिससे ग्राम पंचायतों की व्यवस्था की हकीकत खुलकर सामने आ गई।बारिश के चलते लोग घरो में दुबके रहे ।वही नदी व नाले उफान पर आ गए जिससे जल स्तर बढ़ा।

नदी, नालों का बढ़ा जलस्तर

मंगलवार को सुबह से ही झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हुआ जो दोपहर तक चलता रहा!तहसील क्षेत्र के नदी व नाले उफान पर आ गए। स्लीमनाबाद की जीवनदायिनी कटनी नदी मैं भी जल स्तर बढ़ा । मंगलवार को हुई बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त रहा। बारिश से ग्राम पंचायत स्लीमनाबाद में अव्यवस्था की पोल खुलकर सामने आ गई।ग्राम पंचायत के वार्डो मैं बारिश काल पूर्व नालियों की साफ सफाई न कराने से गालियां जलमग्न हो गई।स्लीमनाबाद के वार्ड नं.11 में पूरा मार्ग जल निकासी न होने से जलमग्न हो गया।

स्लीमनाबाद मुख्य तिराहा मैं भी यही हाल रहा।वही बारिश काल मे विद्युत व्यवस्था भी प्रभावित हुई।ग्रामीण अंचलों में जगह जगह फाल्ट आ जाने से विद्युत व्यवस्था आपूर्ति ठप्प रही।

महापौर ने सुनी समस्याएं, निराकरण के दिये निर्देश

नगर पालिक निगम कटनी में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के समक्ष प्रस्तुत कीं। पेयजल, सड़क, स्वच्छता, नाली, राजस्व एवं अतिक्रमण सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई करते हुए महापौर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनी। जनसुनवाई के दौरान महापौर श्रीमती सूरी ने प्रत्येक आवेदकों की समस्या गंभीरता से सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े और कई मामलों में तत्काल आवश्यक निर्देश जारी कर समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। गंभीर एवं प्राथमिकता वाले प्रकरणों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित, 5वीं में 80% और 8वीं में 74 % से अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी व अभिभावक राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर परिणाम देख सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पुनः परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80.42 एवं कक्षा 8वीं में 74.16 % परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, मुख्य वार्षिक परीक्षा और पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या को मिलाकर इस सत्र में कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.89 एवं कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है। उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र के https://www.rskmp.in/result.aspx पर अपना रोल नम्बर डालकर देख सकते हैं। साथ ही शिक्षक, संस्था प्रमुख भी अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम इसी पोर्टल पर देख सकते हैं।

गौरतलब है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून के बीच कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 71, 548 तथा कक्षा 8वीं के 76, 274 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केन्द्र बनाए गए थे। 17, 000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई थी।

वहीं कक्षा पांचवीं में शासकीय स्कूलों के कुल 46, 665 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें 36, 217 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा में 581 में से 352 विद्यार्थी पास हुए हैं, तो वहीं अशासकीय स्कूलों के 24, 302 विद्यार्थियों में से 20, 971 विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए हैं। इसी प्रकार कक्षा 8वीं में शासकीय स्कूलों के कुल 56,738 विद्यार्थियों में से 40, 315 उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा के 423 में से 268 और अशासकीय विद्यालयों के 19, 113 में से 15,978 विद्यार्थी पास हुए हैं।

खाली पड़े प्लाटों में गंदे पानी के भराव से पनप रहे मच्छर

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

वर्षा काल का समय चल रहा है ऐसे में जगह-जगह खाली पड़े गड्ढों, प्लाटों के अलावा जहां भी जल भराव होता है वहां लार्वा पनप रहे हैं। लार्वा नष्टीकरण के लिए कोई प्रबंध नहीं किए जाने के कारण ही डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के बढऩे का खतरा भी बढ़ गया है। मलेरिया से पीड़ित मरीजों की संख्या भी अस्पतालो मे देखने को मिल रही है।

स्लीमनाबाद ग्राम पंचायत की बात करें तो यहां ग्राम पंचायत वार्डों में खाली पड़े भूखंडो में बारिश का पानी भर रहा है, इस पानी में मच्छर पनप रहे है। ग्राम पंचायत भर में ऐसे कई स्थान है जहां जल भराव होता है और बड़ी संख्या में लार्वा उत्पन्न होते है लेकिन ग्राम पंचायत के द्वारा यहां दवा का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। यदि समय-समय पर दवा का छिड़काव होता रहे तो पानी में लार्वा पनप नहीं पाते।

बहोरीबंद विकासखंड की 79 ग्राम पंचायतों में लार्वा सर्वे कार्य कहीं चलता दिखाई नहीं दे रहा है, इसके साथ ही दवा छिड़काव का कार्य भी नहीं हो रहा है। यही वजह है कि, बारिश के दिनों में जहां पानी का भराव हो रहा है वहां मच्छरों के लार्वा पनप रहे है।जगह-जगह नवीन कॉलोनियां विकसत हो गई है, लेकिन इन कॉलोनियों में खाली पड़े भूखंडों में बारिश के पानी का भराव होता है, जहां लार्वा पनपते है जिससे मलेरिया, डेंगू फैलने का खतरा बढ जाएगा।

बहोरीबंद विकासखंड की बड़ी ग्राम पंचायतों के अलावा छोटी ग्राम पंचायतो मे भी यही हाल बना हुआ है। यहां भी मच्छरों की रोकथाम के लिए मलेरिया विभाग द्वारा कोई प्रयास नहीं किए जा रहे। बारिश के पानी का भराव हो रहा है, लेकिन इनमें न तो दवाईयों का छिड़काव हो रहा है और न ही इनकी रोकथाम के कोई प्रयास किए जा रहे है।

इनका कहना है

एसडीएम बहोरीबंद प्रदीप मिश्रा का कहना है कि बहोरीबंद विकासखंड की ग्राम पंचायतों मे मलेरिया विभाग सर्वे कर लार्वा नष्टीकरण व दवा छिड़काव का कार्य करें जिससे ग्रामीण अंचलो मे बीमारियां न फैले इसके लिए बीएमओ को निर्देशित किया जायेगा जहाँ भी अत्यधिक मात्रा में जल भराव है वहां पहले ध्यान दिया जावे। ग्राम पंचायते भी गावों मे साफ -सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे।

अपने वार्डो का रोजाना भ्रमण कर जर्जर भवनों पर करे कार्यवाही

जर्जर एवं खतरनाक भवनों पर करें कार्यवाही, लापरवाही नहीं बरतने दी हिदायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वर्षा ऋतु के दौरान नगर के नागरिकों और शासकीय स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जर्जर संरचनाओं से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम और आवश्यक सुरक्षात्मक उपायों को अमली जामा पहनाने हेतु निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने आवश्यक कदम उठाने के निर्देश निगम उपयंत्रियों को दिए हैं।

विगत दिवस आयोजित समय-सीमा की बैठक में निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि या अप्रिय घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उपयंत्री, अपने वार्डों का करें रोजाना भ्रमण

निगमायुक्त सुश्री परिहार ने निगम के सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया है कि वे वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए रोजाना ही अपने-अपने प्रभार वाले वार्डों का सघन भ्रमण करें। नगरीय क्षेत्रों में पुराने, खतरनाक और जीर्ण-क्षीर्ण (जर्जर) भवन मिलने पर उनका भौतिक सत्यापन कराते हुए आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

खतरनाक हिस्सों को तत्काल हटाने की कार्रवाई

बैठक के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह कार्यवाही केवल निरीक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि खतरनाक पाए जाने वाले भवनों पर तत्काल विधि सम्मत व जमीनी कार्रवाई सुनिश्चित करें। ऐसे भवनों के जो हिस्से गिरने की कगार पर हैं या जिनसे आमजन को खतरा हो सकता है, उन्हें अविलंब हटाने (ध्वस्त करने) की कार्रवाई की जाए।

विद्यार्थियों व नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष फोकस

निगम प्रशासन का मुख्य उद्देश्य इस बारिश के मौसम में स्कूली बच्चों और नागरिकों को एक सुरक्षित माहौल देना है। जीर्ण-क्षीर्ण भवनों के आसपास से गुजरने वाले रास्तों और शासकीय स्कूलों के समीप स्थित संवेदनशील ढांचों पर विशेष नजर रखी जाए ताकि बच्चे बिना किसी भय के स्कूल आ-जा सकें। निगमायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

निगमायुक्त ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश पूर्व में जारी किये जा चुके है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका अधिनियम 1956 की धाराओं तथा मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धाराओं में नगरीय क्षेत्रों में स्थित जर्जर भवनों पर कार्रवाई करने का प्रावधान है। उन्होंने अपने निर्देश में कहा है कि किसी भी प्रकार की जन-धन हानि को रोकने के लिये यह आवश्यक है कि अधिनियम की धाराओं के अनुसार जर्जर मकानों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी रखी जाए।

आंगनबाड़ी भवन पाली की स्थिति है बदहाल बच्चों की सुरक्षा पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बहोरीबन्द विकासखंड के आँगनबाड़ी केंद्र पाली का भवन अब जर्जर स्थिति मे पहुँच गया है। भवन के अंदर की स्थिति बदहाल हो गई है। छत का प्लास्टर उखड़ने लगा है जिससे केंद्र मैं दर्ज नैनिहालो पर जान का खतरा मंडरा रहा है। लेकिन शिकायत के वावजूद भी जिम्मेदार नैनिहालो की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे है।नैनिहालो कि सुरक्षा के प्रति ध्यान नही दे रहे है।

छत से पानी का रिसाव

मंगलवार को सुबह से हुई बारिश के बाद आँगनबाडी भवन पानी से लबालब हो गया, क्योंकि छत से पानी का रिसाव हो रहा था। भवन में बच्चों को कही भी बैठने की जगह नहीं थी

पूर्व घटित हो चुकी है घटनाएं

बहोरीबन्द क्षेत्र के बाकल आंगनबाड़ी भवन व खम्हरिया शासकीय माध्यमिक शाला मैं घटनाएं घटित हो चुकी है।छत का प्लास्टर अचानक बच्चों पर गिरने से बच्चे घायल हो गए थे।उसके बाबजूद भी विकासखण्ड के जिम्मेदार विभागीय अधिकारी ध्यान नही दे रहे है।

इस संबंध में परियोजना अधिकारी सतीश पटेल का कहना है कि पाली आंगनबाड़ी केंद्र भवन के छत की स्थिति खराब होने के संबंध मे जानकारी मिली है। मंगलवार को बारिश के कारण उपजी स्थिति के बाद किराये के भवन मैं आँगनबाड़ी केंद्र का संचालन शुरू कर दिया गया हैं। निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया जाएगा।

खबर संक्षेप

छात्रों को साइबर क्राइम के प्रति किया गया जागरूक

कटनी। जिले में विधिक जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में ढ़ीमरखेड़ा स्थित संतकबीर जूनियर हाई स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में न्यायाधीश पूर्वा तिवारी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम के विभिन्न स्वरूपों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी, फेक कॉल, सोशल मीडिया दुरुपयोग एवं साइबर ठगी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, जिनसे बचाव के लिए जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के उपाय बताते हुए कहा कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित प्राधिकरण को दें। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता बढ़ाना एवं उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित व्यवहार के प्रति प्रेरित करना रहा।

जिले में अब तक 152.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में 1 जून से 7 जुलाई तक कुल 152.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 389.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान स्लीमनाबाद तहसील में रिकार्ड 557.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 247.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। अधीक्षक भू-अभिलेख मुन्ना लाल तिवारी ने बताया कि जिले में इस अवधि में कटनी तहसील में 186.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि तहसील रीठी में 213.8 मिलीमीटर, बड़वारा तहसील में 51.0 मिलीमीटर, बरही तहसील में 141.8 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 133.5 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 157.7 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 247.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 88.0 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

आवारा मवेशियों को पकड़ कर गौशालाओं में भेजा गया

कटनी। नगर में नागरिकों को सुरक्षित, सुगम एवं बाधारहित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम द्वारा घुमंतू गाय-बैलों को पकड़ने का विशेष अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। निगम प्रशासन के निर्देशन में निगम का अमला प्रतिदिन शहर के प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई कर रहा है। स्वास्थय अधिकारी संजय सोनी ने बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। अभियान के तहत विगत दिवस रबर फैक्ट्री रोड, शास्त्री कॉलोनी, आजाद चौक, मिशन चौक, हीरा गंज, बस स्टैंड मार्ग सहित नगर के अन्य स्थलों में अभियान के दौरान पकड़े गए लगभग 20 गाय-बैलों को सुरक्षित रूप से अधिकृत गौशालाओं में भेजा जा रहा है। निगम प्रशासन का उद्देश्य केवल यातायात को सुचारु बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आमजन एवं मवेशियों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा ।

जनहित के कार्यों में कोताही बर्दाश्त नहीं, अधिकारी पूरी मुस्तैदी से करें अपने दायित्वों का निर्वहन

निगमायुक्त ने कहा अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही करने में लाये तेजी, हर सप्ताह दर्ज कराएं दो एफआइआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में निगमायुक्त ने विभिन्न विभागों के शासकीय कार्यों की सघन समीक्षा करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अन्तर्विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में किसी भी स्तर पर उदासीनता अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। सभी अधिकारी लोकहित के कार्यों में पूरी संवेदनशीलता के साथ सक्रिय रहें।

वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए निगम के गठित आपदा प्रबंधन दल की कार्यप्रणाली की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मानसून एवं जल जमाव जैसी आपात स्थितियों के मद्देनजर सभी विभाग आपस में जीवंत समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करें। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में आपदा प्रबंधन का रिस्पांस टाइम न्यूनतम होना चाहिए और पूर्व निर्धारित सभी सुरक्षात्मक कार्यों का निरंतर फॉलोअप लिया जाए।

निगमायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन के 100 एवं 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों की शाखा वार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं समयबद्धता के साथ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन अनुज्ञा, अतिक्रमण, स्थापना एवं स्वास्थ्य शाखा के लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने, अतिक्रमण संबंधी शिकायतों में आवश्यकतानुसार स्थल निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य विभाग की नॉट अटेंडेड शिकायतों पर प्रभावी सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।यह संस्करण प्रेस विज्ञप्ति की औपचारिक और प्रभावी भाषा के अनुरूप है।

फायर सेफ्टी, जर्जर भवनों के सर्वे में रखें निरंतरता

बैठक के दौरान निगमायुक्त ने फायर सेफ्टी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं कोचिंग संस्थानों में जांच के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया गया है, उन्हें तत्काल नोटिस जारी कर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि फायर सेफ्टी की जांच अभियान निरंतर जारी रखा जाए ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए निगमायुक्त ने जन सुरक्षा के मद्देनजर सभी वार्डों में जर्जर भवनों एवं शासकीय विद्यालय भवनों का सर्वेक्षण कर उनकी स्थिति का परीक्षण करने तथा आवश्यकतानुसार विधिसम्मत डिस्मेंटल (ध्वस्तीकरण) की कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने अभियान में और गति लाने पर बल दिया। उन्होंने कार्यपालन यंत्री अंशुमान सिंह को निर्देशित किया कि प्रत्येक सप्ताह कम से कम दो एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही भवन अनुज्ञा की शर्तों के विपरीत निर्मित भवनों के मामलों में भी संबंधितों को नोटिस जारी कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शीघ्र प्रस्तावित करने के निर्देश दिए।

ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश

ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना की समीक्षा के दौरान उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी ने जानकारी दी कि 47 प्लॉटों की निविदा जारी की जा चुकी है तथा शेष प्लॉटों के लिए निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है। इस पर निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन प्लॉटों की निविदाएं प्राप्त हो चुकी हैं, उन पर आवंटन एवं अन्य आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण की जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर दिया जोर

निगमायुक्त ने संबल योजना एवं प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इसके साथ ही ई एचआरएमएस पोर्टल पर अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी अद्यतन करने, ई-केवाईसी के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने, पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने, आउटसोर्स कर्मचारियों से संबंधित अभिलेख एवं विभागवार जानकारी आवश्यक दस्तावेजों एवं फोटो सहित संकलित करने, कर्मचारी समस्या निवारण शिविर आयोजित करने तथा अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवेदन

कटनी। शिक्षा के अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। राज्य शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग ने अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए निर्धारित तिथि को बढ़ा दी है। इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। निजी विद्यालय विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, पूर्व में निजी विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित थी, लेकिन इस अवधि तक अनेक अशासकीय विद्यालयों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं किए जा सके थे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए निजी विद्यालयों को यह अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशों में यह स्पष्ट किया है कि 10 जुलाई 2026 के बाद आवेदन की अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। यदि कोई विद्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं करता है तो अवधि के बाद उसकी मान्यता, स्वतः समाप्त मानी जाएगी।

आंगनवाड़ी के बच्चों ने स्कूल का किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

परियोजना बड़वारा के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र देवरी 3 के 3 से 6 वर्ष आयु के 26 बच्चों को शासकीय प्राथमिक शाला देवरी में एक्सपोजर विजिट कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल में प्रवेश से पहले बच्चों को विद्यालय वातावरण से परिचित कराना और उन्हें स्कूल के प्रति आत्मविश्वास रुचि विकसित करना था।

भ्रमण के दौरान बच्चों को विद्यालय परिसर कक्षा कक्ष खेल मैदान तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कराया गया साथ ही शिक्षक और विद्यालय के विद्यार्थियों से परिचय कराया गया बच्चों ने कविता कहानी खेलकूद गीत गिनती जैसी गतिविधियों में उत्साह पूर्वक भाग लिया। शिक्षकों ने भी बच्चों के विद्यालय के माहौल से सहज रूप से जुड़ने का प्रयास किया सभी बच्चों को निर्धारित समय पर नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया गया।

बच्चों से उनके अनुभव साझा कराए गए.इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों में विद्यालय के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है और नए वातावरण को लेकर उनका संकोच दूर होता है। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पूरे समय बच्चों के साथ मौजूद रहीं।

मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

कटनी। छात्राओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने, तनाव प्रबंधन के प्रभावी उपायों से परिचित कराने तथा सकारात्मक एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से शासकीय कन्या महाविद्यालय, में ₹मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण₹ विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य एवं छात्र कल्याण से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए, जिससे मानसिक चुनौतियों, भावनात्मक संतुलन तथा सकारात्मक सोच के महत्व पर सार्थक चर्चा हुई। छात्राओं को तनाव प्रबंधन, समस्या समाधान, आत्मविश्वास, भावनात्मक संतुलन तथा टीम भावना विकसित करने की व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराया गया। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियाँ व्यक्ति के विकास का माध्यम होती हैं। यदि समस्याओं को अवसर के रूप में स्वीकार कर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाए तो प्रत्येक कठिनाई का समाधान संभव है। उन्होंने छात्राओं से मानसिक रूप से सशक्त बनने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने में संकोच न करने का आग्रह किया।

शिविर में पालतू पशुओं का किया गया टीकाकरण

जिला पशु चिकित्सालय (पॉलीक्लीनिक) में जागरूकता कार्यक्रम एवं नि:शुल्क रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों (जूनोसिस) के प्रति आमजन एवं पशुपालकों को जागरूक करना तथा रेबीज जैसी घातक बीमारी की रोकथाम हेतु टीकाकरण को बढ़ावा देना रहा। उपसंचालक डॉ नीता मनोचा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों एवं उपस्थित नागरिकों को जूनोटिक रोगों, उनके संक्रमण के कारण, बचाव के उपाय, स्वच्छ पशुपालन, समय पर टीकाकरण तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि रेबीज, ब्रुसेलोसिस, एन्थ्रेक्स एवं लेप्टोस्पायरोसिस जैसे कई रोग पशुओं से मनुष्यों में फैल सकते हैं, जिनकी रोकथाम जागरूकता एवं नियमित टीकाकरण से संभव है। शिविर में लगभग 42 पालतू पशुओं का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. सुमंत वर्मा, उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. नीता मनोचा, डॉ. साकेत मिश्रा, डॉ. रवि कटारिया, अतुल भुजिया, राकेश कुशवाहा एवं हजरत मंसूरी सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पशुपालकों से पालतू पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, समय-समय पर टीकाकरण कराने अपील की गई।

उद्योगपति पर जानलेवा हमला करने के मामले में 6 आरोपितों को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

उद्योगपति मुकेश गुप्ता पर हुये जानलेवा हमले के मामले में माधवनगर पुलिस ने नामजद आरोपी हर्ष पाण्डेय सहित 6 आरोपियों को दस्तयाब कर लिया है। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई एक ऑल्टो कार भी पुलिस ने बरामद की है। बाकी फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार मुख्य नामजद आरोपी हर्ष पाण्डेय को पुलिस ने कस्टडी में लिया। पूछताछ के दौरान उसने उद्योगपति पर हुए हमले में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। हालांकि, कस्टडी में लेने के बाद आरोपी हर्ष पाण्डेय अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था, जिसे देखते हुए पुलिस ने उसे तत्काल शासकीय जिला अस्पताल कटनी में भर्ती कराया।

पुलिस ने घटना में शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान कुठला क्षेत्र से 5 अन्य आरोपियों को दस्तयाब किया है। इन सभी ने पूछताछ में उद्योगपति मुकेश सेठ और उनके भाई पर लाठी-डंडों से हमला करने और कट्टा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने की बात कबूल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में नीलेश विश्वकर्मा, निवासी गली नं. 02, इंद्रानगर, चाहत सोनी 18 वर्ष निवासी इंद्रानगर, मनोज कुशवाहा 25 वर्ष, निवासी चक्कीघाट रोड, विकास गुप्ता 25 वर्ष, निवासी पहरूआ, सुधाकर गौतम 30 वर्ष, निवासी पुरैनी। पुलिस ने इन सभी आरोपियों को उनकी गिरफ्तारी के कारणों से विधिवत अवगत कराते हुए अरेस्ट कर लिया है और इसकी सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है।

जिले में टीबी जैसी बीमारी के विरुद्ध संवेदनाओं की लिखी जा रही नई मिसाल मरीजों को मिलेगा साथ

कलेक्टर स्वयं बने 'नि-क्षय मित्र', अब प्रशासन मिलकर देंगे मरीजों को पोषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कभी समाज से दूरी और उपेक्षा झेलने वाली टीबी जैसी बीमारी के विरुद्ध अब कटनी में संवेदनाओं की नई मिसाल लिखी जा रही है। यहां इलाज के साथ-साथ अब मरीजों को अपनापन, पोषण और समाज का भरोसा भी मिलेगा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल ने इस जनस्वास्थ्य अभियान को केवल सरकारी योजना नहीं रहने दिया, बल्कि इसे जनसहभागिता का एक प्रेरक आंदोलन बना दिया है।

जिले को टीबी मुक्त कटनी बनाने के संकल्प के साथ कलेक्टर श्री तिवारी स्वयं 'नि-क्षय मित्र' बने हैं। उन्होंने यह संदेश दिया है कि टीबी से जूझ रहे मरीजों को केवल दवाइयों की नहीं, बल्कि पौष्टिक भोजन, सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की भी उतनी ही आवश्यकता होती है। उनकी इस पहल ने प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योगपतियों और विभिन्न विभागों को भी आगे आने के लिए प्रेरित करने का काम किया है । जिसके परिणामस्वरूप जिले में सेवा और सहयोग की एक नई श्रृंखला शुरू होने जा रही है।

कलेक्टर की पहल से प्रेरित होकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने 35, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने 50, आबकारी विभाग ने 35, लोक निर्माण विभाग ने 50, खनिज विभाग ने 50, उद्योग विभाग ने 50, पीआईयू ने 25, एमपीईबी ने 25, खाद्य विभाग ने 25 तथा मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम ने 35 टीबी मरीजों को पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध कराने की स्वैच्छिक जिम्मेदारी ली है। इसके अलावा जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा प्रत्येक तहसीलदार ने भी स्वेच्छा से 20-20 मरीजों को गोद लेकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने का संकल्प लिया है। बीते सोमवार को हुई समय-सीमा बैठक में सभी विभागों और अधिकारियों ने स्वेच्छा से जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र दीवान को आवश्यक सहयोग राशि उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है।

योजना के तहत प्रत्येक टीबी मरीज को प्रतिमाह 600 रुपये मूल्य की पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध कराई जाएगी। प्रारंभिक चरण में आगामी दो माह के लिए प्रति मरीज 1,200 रुपये की सहायता सुनिश्चित की गई है, ताकि उपचार के दौरान मरीजों को आवश्यक पोषण मिलता रहे।

कलेक्टर आशीष तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि अभियान को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ संचालित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले का कोई भी पात्र टीबी मरीज पोषण सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि टीबी पर विजय केवल दवा से नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार, समय पर उपचार और समाज के सहयोग से ही संभव है। यदि पूरा समाज इस अभियान से जुड़ेगा, तो टीबी मुक्त कटनी का लक्ष्य जल्द ही वास्तविकता में बदलेगा।

अधिकारियों को दिए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश

जन सुनवाई में 97 आवेदकों ने अधिकारियों को बताई अपनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले के आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिला प्रशासन का संवेदनशील और जनहितैषी स्वरूप देखने को मिला। जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 97 आवेदकों ने अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर आशीष तिवारी के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की बात पूरी गंभीरता, धैर्य और संवेदनशीलता से सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि बारिश, रिमझिम फुहारों और तेजी से चल रहे खेती-किसानी के महत्वपूर्ण कार्य से समय निकालकर यहां पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्याओं को गंभीरता से सुनें और निराकृत करें। सभी अधिकारी प्रत्येक आवेदन को पूरी संवेदनशीलता, जवाबदेही और गंभीरता के साथ लें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई में सर्वाधिक आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुए। इनमें भूमि विवाद, सीमांकन, नामांतरण, भूमि आवंटन, अतिक्रमण हटाने, नक्शा सुधार एवं अन्य राजस्व प्रकरण प्रमुख रहे। वहीं विद्युत विभाग से बिजली बिलों में त्रुटि सुधार, बंद मीटर, जर्जर एवं लटकते विद्युत तारों से दुर्घटना की आशंका संबंधी शिकायतें प्राप्त हुईं। पशुपालन विभाग के अंतर्गत गौशाला निर्माण, शिक्षा विभाग में छात्रावास निर्माण, समग्र आईडी को आधार से लिंक कराने सहित विभिन्न विभागों से जुड़े अनेक जनहित के मामलों पर भी आवेदकों ने अपनी समस्याएं रखीं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का तथ्यों के आधार पर परीक्षण कर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए तथा निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक अधिकारी अपने विभाग में लंबित प्रकरणों की सतत समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत और न्याय मिले।

जनसुनवाई के दौरान जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता परिलक्षित हुई। वहीं कलेक्टर श्री तिवारी ने अफसरों को ताकीद किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोक सेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। कई मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गए, अन्य प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण 13 जुलाई से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पशुपालकों के जाएंगे घर, देंगे नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण और सेक्स सॉर्टेड सीमेन की जानकारी

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ₹दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान₹ चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पशुपालकों के घर पहुंचेंगे और नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे। तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी। नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य विषय पर जागरुक किया जाएगा। इस चरण में प्रदेश के 5 लाख 72 हजार पशुपालकों के घर जाकर भेंट करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर विभाग द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण की अवधि 6 दिन निर्धारित की गई है। आवश्यकता पड़ने पर अधिकतम 9 दिन तक बढ़ाया जा सकेगा। अभियान के दौरान मैदानी अमले की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उप संचालक, कार्यालय में पदस्थ एवं राज्य स्तर पर प्रशिक्षित कार्यक्रम के नोडल अधिकारी को प्रभारी बनाया जाएगा।

खबर संक्षेप

अजय कुमार गुप्ता होंगे डाईट प्राचार्य

पन्ना। जिला पंचायत कार्यालय द्वारा वरिष्ठता के आधार पर अजय कुमार गुप्ता को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पन्ना का प्राचार्य नियुक्त करने संबंधी आदेश जारी किया गया है। शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं वित्तीय व्यवस्था के सुचारू क्रियान्वयन की दृष्टि से डाईट के वरिष्ठ व्याख्याता अजय कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से प्राचार्य का प्रभार सौंपा गया है। गौरतलब बात यह है कि शिक्षा के क्षेत्र में जहां अजय कुमार गुप्ता की कार्यप्रणाली जिला शिक्षा केन्द्र में जिला समन्वयक (डीपीसी) के रूप में चर्चा में वहीं आपको दो दिन का प्रभार जिला शिक्षा अधिकारी का भी मिल चुका है। अब डाईट प्राचार्य की जिम्मेदार यहां डाईट प्राचार्य के रूप में अब तक जो प्राचार्य रहे उनमें कई प्राचार्यों की कार्यप्रणाली जिले में शिक्षा प्रदान करवाने के लिए जिन शिक्षकों को यहां प्रशिक्षण दिया जाता है उनसे जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण संस्थान है। साथ ही शिक्षा ही विकास का आधार है। अनुशासन ही देश को महान बनाता है। सब भविष्य को लेकर जुड़ा हुआ माना जाता है। इस संस्थान का गौरव हमारे जिला मुख्यालय मे प्रख्यात है। जिसकी जिम्मेदारी अजय कुमार गुप्ता को दी गई है उम्मीदें सभी की उन बेहतर प्राचार्यों की तरह इनकी ओर भी टिकी निगाहें क्योंकि बेहतर शिक्षा प्रणाली की दिशा यहां से ही तरासकर आगे जानी जाती है।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार द्वारा मंगलवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अतिवर्षा के कारण जिला चिकित्सालय के वार्डों में जलभराव की स्थिति निर्मित होने की सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर ने त्वरित संज्ञान लिया और मौके पर पहुँचकर स्थिति का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती परमार ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन नवीन भवन का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन निर्माण कार्य में गति लाएं ताकि आमजन को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

अंधियारा बगीचा कब्रिस्तान के पास मुख्य सड़क पर रखे अवैध टपरों को हटाने की भी हुई कार्यवाही

बस स्टैंड के बीचों बीच बने जीर्ण-शीर्ण यात्री प्रतीक्षालय को नपा ने किया जमींदोज

नगर पालिका अध्यक्ष उपाध्यक्ष ने प्रशासन पर मनमानी के लगाये आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

नगर की बस स्टैंड के बीचों बीच बनी 28 साल पुराने जीर्ण-शीर्ण प्रतीक्षालय को नगर पालिका व राजस्व प्रशासन द्वारा 2 घंटे में जमींदोज कर दिया गया। जहां कार्यवाही को अंजाम दिये जाने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र खटीक व उपाध्यक्ष प्रशांत पाठक ने अपने समर्थक पार्षदों के साथ पहुंचकर तहसीलदार व सीएमओ पर विधायक के कहने पर मनमानी पूर्वक कार्यवाही करने के आरोप लगाए गए।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में तत्कालीन कलेक्टर द्वारा नगर में जीर्ण-शीर्ण भवनों को गिर जाने की कार्यवाही हेतु नगर पालिका सीएमओ को आदेशित किया गया था जिसके तहत आम जनमानस की सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए बस स्टैंड पर बने 28 वर्ष पुराने प्रतीक्षालय गिराए जाने की कार्यवाही की तहसीलदार आलोक जैन एवं नगर पालिका सीएमओ की उपस्थिति में राजस्व अमला एवं अतिक्रमण टीम द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी में मंगलवार की सुबह 10 बजे यात्री प्रतीक्षालय को पोकलेन मशीन द्वारा गिराए जाने की कार्यवाही की गई।

प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

बस स्टैंड पर बने यात्री प्रतीक्षालय को मंगलवार की सुबह 10 पोकलेन मशीन द्वारा दलबल के साथ जमीदोज किए जाने की कार्यवाही की गई, जैसे ही प्रतीक्षालय गिराए जाने की खबर अध्यक्ष उपाध्यक्ष को मिली तो उन्होंने बस स्टैंड पहुंचकर पोकलेन मशीन के सामने खड़े होकर कार्यवाही का विरोध कर तहसीलदार व सीएमओ पर तानाशाह कार्यवाही करने के आरोप लगाते हुए आदेश दिखाए जाने की बात कही जहां सीएमओ ने अपने अमले के साथ पहुंचकर यात्री प्रतीक्षालय गिराए जाने की फाइल दिखाई और जैसे ही अध्यक्ष उपाध्यक्ष द्वारा फाइल देखी तो आग बबूला हो गए जिसमें यात्री प्रतीक्षालय को गिराए जाने हेतु विधायक उमादेवी खटीक द्वारा कलेक्टर को पत्र लिखा गया था एवं तीन महत्वपूर्ण तत्कालीन कलेक्टर द्वारा यात्री प्रतीक्षा लाइव प्रोग्राम जाने हेतु आदेशित किया गया था जिसमें नगर पालिका परिषद का भी प्रस्ताव संलग्न था जिसमें अध्यक्ष सहित परिषद की हस्ताक्षर थे। लेकिन इसके बावजूद भी मामला शांत नहीं हुआ और राजनीति गरमा गई। जहां अध्यक्ष शैलेंद्र खटीक ने सीएमओ राजेंद्र खरे पर विधायक के इशारे पर कार्यवाही किए जाने के गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा की बरसात में यात्री प्रतीक्षालय गिराए जाने के पूर्व यात्रियों को बैठने की व्यवस्था प्रशासन को करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व भी नगर पालिका में बनी पानी की टंकी को भी बिना परिषद की अनुमति के बंद कराया गया था जिसका परिणाम हटा की जनता को भुगतना पड़ा था।

अंधियारा बगीचा में मुख्य सड़क से हटाया अतिक्रमण

नगर पालिका व राजस्व प्रशासन द्वारा बस स्टैंड की कार्यवाही उपरांत तहसीलदार आलोक जैन सीएमओ राजेंद्र खरे ने दलवल के साथ अंधियारा बगीचा पटेरा नाका पहुंचकर कब्रिस्तान के सामने मुख्य सड़क पर रखे अवैध टपरो को जेसीबी मशीन द्वारा सख्ती से हटाए जाने की कार्यवाही को अंजाम दिया। या उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व पटेरा नाका से नाग बाबा तक मुख्य सड़क का चोडीकरण कार्य किया गया था इसके पूर्व सड़क के दोनों तरफ अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई थी लेकिन उसके बाद विशेष समुदाय के लोगों द्वारा पुनः आलीशान टपरे रखकर अतिक्रमण कर लिया गया था जिसकी शिकायतें होने के उपरांत मंगलवार की सुबह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

खचना नाका पर अतिक्रमण स्वयं हटाने दिया समय

वही खतना नाका रसीलपुर रोड पर पुलिया के पास नाले पर कुछ लोगों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर मकान बनाए गए जिससे पानी की निकासी बंद होने के कारण मुख्य सड़क पर जल भराव की स्थिति उत्पन्न होने से प्रशासन की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची जहां पर तहसीलदार आलोक जैन व सीएमओ द्वारा मौका मुहाना किया गया जहां नक्शे पर 6 मीटर का नाला सिमटकर 1 मीटर ही देखा गया बाकी नाले पर अतिक्रमण कर मकान बनाए गए है जहां लोगों की निवेदन पर तहसीलदार द्वारा एक सप्ताह में स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई अन्यथा की स्थिति में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शक्ति से की जावेगी जिसका हरजा खर्चा भी अतिक्रमणकारियों से वसूले जाने की कार्यवाही शक्ति से की जावेगी।

इस संबंध में सीएमओ राजेंद्र खरे का कहना है कि यात्री प्रतीक्षालय गिराए जाने हेतु विगत चार माह पूर्व परिषद में अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित पार्षदों के हस्ताक्षरयुक्त प्रस्ताव पारित किया गया था जिसे कार्रवाई हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया गया था जिसके तहत तत्कालीन कलेक्टर के आदेशानुसार यात्री प्रतीक्षालय गिराये जाने की कार्यवाही की गई।

भारी बारिश से निर्माणाधीन सड़क की मिट्टी धंसी, पुल के पास हादसों का डर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनवार

दुगानी ग्राम पंचायत क्षेत्र में सोमवार को हुई जोरदार बारिश से निर्माणाधीन पुल के किनारे की मिट्टी धंसी दुगानी से नारायणपुरा तक निर्माणाधीन सड़क मार्ग पर एक बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। यहाँ निर्माणाधीन सड़क पर नवनिर्मित पुल के दोनों ओर की मिट्टी पानी के बहाव के कारण धंस गई है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा नीचे दब गया है।सुरक्षा दीवार न होने से बढ़ा खतरा स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पुल के दोनों तरफ सुरक्षा की दृष्टि से अभी तक रिटेनिंग वॉल (सुरक्षा दीवार) का निर्माण नहीं किया गया है। मिट्टी धंसने के कारण सड़क और गहरा गैप बन गया है। राहगीरों में भय का माहौल है कि यदि कोई वाहन अनियंत्रित हुआ या मिट्टी और ज्यादा धंसी, तो सीधे पुल के नीचे गिरने का खतरा बना हुआ है। अंधेरे या तेज बारिश में यहाँ सफर करना जानलेवा साबित हो सकता है।विभाग का पक्षः इस गंभीर समस्या को लेकर जब लोक निर्माण विभाग (PWD) की उपयंत्री मनीषा मोगनिया से चर्चा की गई, तो उन्होंने स्थिति को संज्ञान में लिया। उन्होंने कहा किःरठेकेदार को निर्देशित किया गया है कि वह तत्काल स्थल पर पहुँचकर पानी निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही, पुल के दोनों ओर राहगीरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विभाग जल्द से जल्द मिट्टी भराव और सुरक्षा दीवार का काम पूरा करवाए ताकि क्षेत्र के लोगों को इस भय से मुक्ति मिल सके।

बुंदेली श्री सम्मान से सम्मानित हुईं डॉ प्रेमलता नीलम

दमोह। बुंदेलखण्ड विश्वकोश समिति सागर के तत्वावधान मे वरदान होटल के सभागार मे बुंदेलखण्ड के विविध विद्वानों का साहित्यक, सांस्कृतिक, सामाजिक एंव शिक्षा के क्षेत्र मे समर्पित जन के सम्मान मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। माता सरस्वती की पूजन, वन्दना का शुभारंभ हुआ, जिसके मुख्य अतिथि प्रो. यशवंत सिंह कुल गुरू डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर,अध्यक्ष विनोद मिश्र; सुरमणि,दतिया विशिष्ठ अतिथि प्रो. सुबोध जैन के कर कमल से अंतरराष्ट्रीय कवयित्री, लेखिका हिन्दी, बुंदेली की 14 पुस्तकों की रचयिता डॉ प्रेमलता नीलम को बुंदेली श्री सम्मान से अलंकृत किया गया, मुख्य अतिथि ने कहा बुंदेलखण्ड विश्वकोश आप लोगों के अतुल्य योगदान को सदैव स्मरण करेगा। वक्ता प्रमिला सागर, नीलिमा पिप्लापुरे एंव सभी विद्वानों की उपस्थिति रही, संस्था अध्यक्ष डॉ,,सरोज गुप्ता ने संचालन किया और सचिव सचिन चतुर्वेदी ने आभार माना।

टाईम्स पब्लिक स्कूल में सप्ताहभर चला वन महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

टाईम्स पब्लिक स्कूल में एक सप्ताह तक चले वन महोत्सव का समापन विविध प्रतियोगिताओं एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की भावना विकसित करना था।वन महोत्सव के दौरान पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन, सीड्स बॉल निर्माण एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आकर्षक पोस्टर और प्रेरणादायक स्लोगन तैयार किए। साथ ही विद्यालय परिसर एवं आसपास पौधारोपण कर हरित वातावरण का संदेश दिया तथा सीड्स बॉल बनाकर अधिक से अधिक हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।सप्ताहभर चले इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर के साथ-साथ अपने घरों के आसपास के मैदानों, पार्कों और उद्यानों में स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया। इस अवसर पर छात्रों ने लोगों से शहर को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान भी किया।

साइबर सुरक्षा रथ पहुंचा बटियागढ़, ग्रामीणों को किया जागरूक

दमोह। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत बटियागढ़ के अंबेडकर चौक पर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान साइबर सुरक्षा रथ के माध्यम से ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही मध्य प्रदेश पुलिस की विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं एवं आपातकालीन सहायता नंबरों के बारे में भी लोगों को अवगत कराया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेनदेन से सतर्क रहें और साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन पर सूचना दें। इस अवसर पर हेड कांस्टेबल महेश दुबे, हेड कांस्टेबल नीरज रावत सहित पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

ग्रामीण बैंक में रोज 'लिंक फेल'

बनवार। जिले के बनवार स्थित मध्यांचल ग्रामीण बैंक शाखा में लगातार बनी 'लिंक फेल' की समस्या से ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है। बैंक का सर्वर अक्सर डाउन रहने के कारण ग्राहकों को नकद निकासी और जमा करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चतुर्भुज सोने चक्रवर्ती आशुतोष बबलू सहित ग्रामीणों के अनुसार, वे सुबह से ही बैंक पहुंचकर लंबी कतारों में लगते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी लिंक फेल होने की वजह से उन्हें बिना काम हुए ही वापस लौटना पड़ता है। इस समस्या से किसान, मजदूर और पेंशनधारी बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दूर-दराज के गांवों से 15 से 20 किलोमीटर का सफर तय कर बैंक पहुंचने के बावजूद नकदी न मिल पाने से उनके रोजमर्रा के खर्च और जरूरी काम अटक रहे हैं। कर्मचारियों के व्यवहार पर भी सवालग्रामीणों ने बैंक कर्मचारियों पर अशिष्ट व्यवहार का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि समस्या बताने पर कर्मचारियों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता और कई बार अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। महीनों से समस्या जस की तसलोगों का कहना है कि बनवार क्षेत्र दूरस्थ होने के कारण यहां की समस्याओं पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता। लंबे समय से लिंक फेल की समस्या बनी हुई है, लेकिन न तो नेटवर्क सुधार के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। प्रशासन से हस्तक्षेप की मांगग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बैंक के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि शाखा में नेटवर्क व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त किया जाए और कर्मचारियों के व्यवहार में सुधार लाया जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। यह स्थिति न केवल बैंकिंग सेवाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी को भी उजागर करती है।

बफर जोन के गांवों में विस्थापन कार्यवाही रोकने सैकड़ों आदिवासियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हटा

अनुविभाग के मडियादो बफर जोन स्थित गांवों में कई वर्षों से निवासरत आदिवासी परिवारों को वन व राजस्व विभाग के द्वारा उनकी कृषि भूमि पशुधन सहित बेदखल किए जाने पर रोक लगाने मंगलवार को सैकड़ो आदिवासी परिवारजनों द्वारा कलेक्टर के नाम एसडीएम राकेश मरकाम को कांग्रेस नेता प्रदीप खटीक के नेतृत्व में ज्ञापन सौपकर कार्यवाही रोकने की मांग की गई। दिए गए ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि मडियादो बफर जोन में स्थित सभी गांव में कई वर्षों से पीढ़ी दर पीढ़ी निवासरत आदिवासियों को पहले वन भूमि से हटाया गया अब जो राजस्व भूमि पर खेती कर रहे हैं कुछ लोगों के पास पट्टे बही भी है और कुछ लोग सैकड़ो वर्षों से राजस्व की भूमि पर खेती कर अपने परिवार का भरन पोषण कर रहे हैं। विगत महीनो से तहसीलदार एवं रेजर के द्वारा जमीनों की नापतोल करके कुछ गांव के लोगों को खेती करने से बेदखल कर दिया है और कई गांव में कार्यवाही होना शेष है जिससे ऐसा प्रतीत होता है बफर जोन से लगे सारे गांव को विस्थापन करने के लिए यह कार्यवाही की जा रही है हम सभी लोगों का जीवन जीना मुश्किल हो गया है। वहीं गांवों के आसपास कटीले तार एवं पत्थर की बाउंड्रीया बना दी गई है जिससे हमारे पशु एवं जानवरों का निकालना मुश्किल हो गया है। ज्ञापन के माध्यम से आदिवासी लोगों द्वारा विस्थापन की कार्यवाही रोकने की मांग की गई और चेतावनी भी दी गई कि यदि कार्यवाही नहीं रोकी गई तो हम लोग जन आंदोलन करने के लिए विवश होंगे।

ज्ञापन देने वालों में कांग्रेस नेता प्रदीप खटीक नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र खटीक, गोपाल, कनई, मनका, रामसीग, परमा, गुबंदी , ममता, भगवानदास, पूरन सिंह, तुलसी, सहित सैकड़ो आदिवासियों की उपस्थिति रही।

ई-अटेंडेंस की सख्ती का शिक्षकों ने किया विरोध, क्रमोन्नति और महंगाई भत्ते के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ, जिला दमोह द्वारा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं और हाल ही में लागू किए गए सख्त ई-अटेंडेंस नियमों के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपे गए हैं। ई-अटेंडेंस पर वेतन रोकने के आदेश का विरोध- शिक्षक संघ ने 6 जुलाई 2026 को आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में ई-अटेंडेंस को लेकर जारी नए निर्देशों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय के 1 जुलाई 2026 के आदेश के तहत निर्देश दिए गए हैं कि ई-अटेंडेंस न लगाने पर वेतन आहरित न किया जाए और संकुल प्राचार्यों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। संघ का तर्क है कि शिक्षकों को कई बार विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जैसे - दुर्घटना, पारिवारिक समस्या, डेटा पैक खत्म होना, मोबाइल का गुम होना या टूटना, नेट की अनुपलब्धता या वर्षाकाल में नदी-नालों में बाढ़ आना। इन व्यावहारिक समस्याओं के कारण यदि कोई शिक्षक अटेंडेंस नहीं लगा पाता है, तो उसका वेतन रोकना न्यायोचित नहीं है और यह कर्मचारी के हित में नहीं है। शिक्षकों को अपनी सुनवाई का अवसर प्रदान करने हेतु संकुल, विकासखंड और जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने की मांग की गई है। संघ ने अनुरोध किया है कि शिक्षकों को संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के पश्चात ही ई-अटेंडेंस को शत-प्रतिशत लागू किया जाए। क्रमोन्नति और अन्य लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग-इससे पहले 5 जुलाई 2026 को संघ ने जिला शिक्षा अधिकारी को एक अन्य ज्ञापन सौंपकर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के अतिशीघ्र निराकरण की मांग की थी। इस ज्ञापन की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं। प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के 12 एवं 24 वर्षीय क्रमोन्नति आदेश शीघ्र जारी किए जाएं। सहायक शिक्षक एवं उच्च श्रेणी शिक्षकों के 35 वर्षीय समयमान वेतनमान के आदेश भी जल्द जारी किए जाएं। लोक सेवा केंद्रों से विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र शीघ्र शालाओं में भिजवाने का प्रबंध किया जाए। 55 प्रतिशत से 58 प्रतिशत महंगाई भत्ते (डी.ए.) का एरियर, जो कि मई 2026 से प्रति माह देय था, उसका भुगतान 6 किस्तों में कराने की कृपा करें। ये दोनों ही ज्ञापन मध्यप्रदेश शिक्षक संघ दमोह के जिला सचिव महेश कुमार गुप्ता और जिला अध्यक्ष कमलेश कुमार सेन के हस्ताक्षर से सौंपे गए हैं। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के समस्त पदाधिकारी ने नवागत जिला शिक्षा अधिकारी श्री सत्यम चौरसिया जी का फूल मालाओं से स्वागत किया इस अवसर पर श्री चौरसिया ने कहा कि संघ का वह सहयोग करेंगे और संघ उनका सहयोग करें यही उनकी अपेक्षा है। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष प्रमेंद्र जैन, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ के प्रांतीय संयोजक संजय पाठक जिला संयोजक नितिन श्रीवास्तव जिला कोषाध्यक्ष अरविंद चौराहा संजय कुमार दुबे आदित्य चैरसिया निलेश जैन, नीरज साहू, राजेश सोनी, अभिषेक सिंह, आशीष नेमा, नीतेश पाठक , शिशिर तिवारी,नीरज पांडे, भागचंद जैन उपस्थित रहे।

बारिश में बगदरी और किशनगढ़ जलप्रपात बने आकर्षण का केंद्र, जरा-सी लापरवाही पड़ सकती है भारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

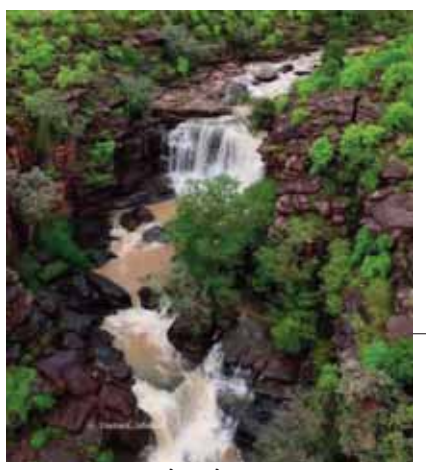

नगर एवं आसपास के क्षेत्र में इन दिनों झमाझम बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही वर्षा से पूरा इलाका हरियाली की चादर से ढक गया है। पहाड़ों, नालों और झरनों से बहता पानी प्राकृतिक सौंदर्य का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत कर रहा है। बारिश के मौसम में क्षेत्र के कई प्राकृतिक पर्यटन स्थल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इनमें किशनगढ़ एवं दमोह-जबलपुर सीमा से लगे बगदरी जलप्रपात पर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। हालांकि, जितना यह प्राकृतिक सौंदर्य मन को लुभाता है, उतना ही बरसात के दौरान यह क्षेत्र जोखिम भरा भी साबित हो सकता है। तेंदूखेड़ा से जबलपुर मार्ग पर दमोह जिले की सीमा समाप्त होने के लगभग 500 मीटर आगे जबलपुर जिले में स्थित बगदरी जलप्रपात इन दिनों पूरे शबाब पर है। ऊंचाई से गिरता जल और चारों ओर फैली हरियाली पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। लेकिन बारिश के मौसम में यह जलप्रपात बेहद खतरनाक रूप धारण कर लेता है। ऊपरी क्षेत्रों में होने वाली बारिश के कारण यहां अचानक जलस्तर बढ़ जाता है और तेज बहाव की स्थिति बन जाती है, जिससे कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

बगदरी जलप्रपात वर्ष 2014 की एक दर्दनाक घटना का भी गवाह है। 4 अगस्त 2014 को यहां पिकनिक मनाने पहुंचे जबलपुर के तीन परिवारों के 11-12 सदस्य अचानक आई बाढ़ की चपेट में आ गए थे। जब वे झरना पार कर दूसरी ओर पहुंचे, तब पानी का स्तर सामान्य था, लेकिन कुछ ही देर बाद ऊपरी क्षेत्रों में हुई भारी वर्षा के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ गया। देखते ही देखते तेज बहाव ने लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लिया। इस हृदयविदारक हादसे में सात से आठ लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अन्य लोग लापता हो गए थे। सूचना मिलने पर प्रशासन एवं गोताखोरों की टीम ने राहत और बचाव अभियान चलाकर कई शव बरामद किए थे। इसके बाद भी बरसात के दौरान यहां एक-दो अन्य दुर्घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को दर्शाती हैं। बारिश के मौसम में क्षेत्र के अन्य नदी-नाले और झरने भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। ऐसे में प्रशासन और पुलिस लगातार लोगों से सतर्कता बरतने की अपील कर रहे हैं ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

इनका कहना है

नगर निरीक्षक तेंदूखेड़ा सरोज ठाकुर ने पर्यटकों से अपील करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में जलप्रपातो सहित किसी भी नदी, नाले या झरने के तेज बहाव के बीच जाने का जोखिम न उठाएं। जलधाराओं को पार करने, चट्टानों पर बैठकर फोटो या सेल्फी लेने तथा सुरक्षा सीमाओं का उल्लंघन करने से बचें। मौसम और जलस्तर में अचानक परिवर्तन हो सकता है, इसलिए सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

भैंसाघाट सिद्ध बाबा पहाड़ी पर भूस्खलन....गंभीर खतरे के बीच पर्यटक लेते रहे सेल्फी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिग्रामपुर

सिंग्रामपुर से तेंदूखेड़ा मार्ग स्थित भैंसाघाट की सिद्ध बाबा पहाड़ी पर लगातार बारिश के कारण भूस्खलन होने से गंभीर स्थिति बन गई है। पहाड़ी के किनारे सड़क का हिस्सा धंस जाने के बाद भी बड़ी संख्या में पर्यटक मौके पर पहुंच रहे हैं और खतरे की अनदेखी करते हुए सेल्फी लेते नजर आए। इससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, औपचारिकता निभाते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने प्रभावित स्थान पर केवल रस्सी बांधकर सीमित क्षेत्र को बंद कर दिया है। इसके बावजूद लोगों की आवाजाही जारी है। बरसात के मौसम में रानी दुर्गावती अभ्यारण्य बंद होने के बाद भी दूर-दराज से पर्यटक परिवार सहित भैंसाघाट पहाड़ी घूमने पहुंच रहे हैं। यहां बने विभिन्न सेल्फी प्वाइंट लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन वे भूस्खलन और पहाड़ी के खतरे को नजरअंदाज कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि लगातार बारिश होती रही तो सिंग्रामपुर से आलोनी, चौरई, सांवरा, कल्लूमर, दोनी, साईंपुरा और सेलवाड़ा सहित कई गांवों का संपर्क टूट सकता है। इससे ग्रामीणों के आवागमन और रोजमर्रा की जिंदगी पर गंभीर असर पड़ेगा। पीडब्ल्यूडी विभाग के उपयंत्री नीलकमल मिश्रा ने बताया कि सिद्ध बाबा के पास भूस्खलन की सूचना मिलने के बाद प्रभावित क्षेत्र को तीनों ओर से बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे का हिस्सा धंस गया है। बारिश का पानी रुकने के बाद ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दुर्घटना की आशंका को देखते हुए प्रभावित क्षेत्र में सख्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए, पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगाई जाए तथा शीघ्र मरम्मत कार्य कराकर आवागमन को सुरक्षित बनाया जाए।

जबेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भरभराकर गिरी जर्जर दीवार व छज्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

जबेरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अस्पताल के ओपीडी कक्ष की जर्जर दीवार और छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि घटना रात के समय हुई, जब वहां कोई मरीज या कर्मचारी मौजूद नहीं था। यदि यह हादसा दिन में होता तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दीवार गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि अस्पताल की अन्य इमारतें भी काफी जर्जर हो चुकी हैं, जिससे भविष्य में भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही नवागत सीबीएमओ डॉ. विशाल शुक्ला ने मौके का निरीक्षण कर तत्काल आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने भवन की स्थिति को गंभीर मानते हुए लोक निर्माण विभाग को अस्पताल भवन की मजबूती की जांच कराने के लिए पत्र भेजा है। साथ ही जर्जर और असुरक्षित हिस्सों को तत्काल बंद कर दिया गया है तथा मरीजों के उपचार के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने अस्पताल भवन की जर्जर स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रशासन से शीघ्र मरम्मत या नए भवन के निर्माण की मांग की है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी को रोका जा सके।

खबर संक्षेप

कुएं में फंसे सियार को किया रेस्क्यू

बनवार। ग्राम साखा में सोमवार रात एक वन्य जीव सियार खेत में बने बिना मुंडेर के गहरे कुएं में गिर गया, जिससे उसकी जान पर बन आई। मंगलवार सुबह गांव के निवासी नीतेश सिंह ने कुएं के भीतर हलचल देखी, जहां सियार सीढ़ियों पर इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था, लेकिन अधिक गहराई के कारण बाहर निकल पाने में असमर्थ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी सागौनी के निर्देशन में डिप्टी रेंजर रशीद खान, बीट गार्ड नवल किशोर पटेल तथा वन श्रमिकों की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन में ग्रामीणों ने भी सराहनीय भूमिका निभाई। माधव सिंह (वन समिति अध्यक्ष), पिंटू दुबे, पवन सिंह, नीतेश सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने मिलकर एक मच्छरदानी जैसी जाली में रस्सी बांधकर कुएं में उतारी। कुछ समय बाद जैसे ही सियार जाली के भीतर बैठा, ऊपर मौजूद ग्रामीणों ने सावधानीपूर्वक जाली को धीरे-धीरे खींचना शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद सियार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

विद्युत खंभों एवं लाईनों से दूरी बनाये रखने की अपील

दमोह। जनसुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित उपभोक्ताओं तथा दमोह जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से अधीक्षण अभियंता ने सुरक्षा की दृष्टि से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में विद्युत खंभों एवं लाईनों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें, खंभों एवं विद्युत लाईनों से पर्याप्त दूरी बनाये रखें।

जिले में 225.5 मिमी वर्षा दर्ज

दमोह। जिले में इस वर्ष 1 जून से अभी तक 225.5 मि.मी. अर्थात 8.8 इंच औसत वर्षा दर्ज हुई है, जो अभी तक गत वर्ष से 139.4 मि.मी. अर्थात 5.5 इंच कम है। इसी अवधि में गत वर्ष 364.9 मि.मी. अर्थात 14.3 इंच औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अभी तक जिले में सबसे ज्यादा वर्षा पटेरा में 366.4 मि.मी. दर्ज की गई है। भू-अभिलेख अधीक्षक ने बताया अभी तक जिले के दमोह वर्षामापी केन्द्र पर 198 मि.मी., हटा 250 मि.मी., जबेरा में 189 मि.मी. पथरिया 325 मि.मी., तेन्दूखेड़ा 150.2 मि.मी, बटियागढ़ 103 मि.मी. तथा पटेरा में 366.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। दैनिक वर्षा के तहत जिले में 33.9 मि.मी. अर्थात 1.3 इंच वर्षा दर्ज की गई है।

जनसुनवाई में 257 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशो के तहत आज कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 (व्यारमा) में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे एवं अपर कलेक्टर मीना मसराम ने सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 257 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 15 आधार अपडेशन एवं 90 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस अवसर पर एसडीएम सौरभ गंधर्व, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल ने सहभागिता निभाई।

पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

नाबालिक की मौत के मामले में गिरफ्तार झोलाछाप डॉक्टर पुलिस गिरफ्त से भागा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रनेह

हटा अनुविभाग की थाना रनेह से पुलिस अभिरक्षा से एक आरोपी फरार हो जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि फरार आरोपी लीलाधर चौधरी उम्र 35 वर्ष निवासी बमनपुरा थाना पटेरा कथित रूप से झोलाछाप डॉक्टर था। उस पर आरोप था कि उसने ग्राम महेवा थाना रनेह के एक बर्मन परिवार की एक नाबालिक बच्ची का 20 मई 2026 को पटेरा स्थित अपनी निजी क्लीनिक में इलाज किया था। बताया जाता है नाबालिक लड़की को बोतल

में अनेकों इंजेक्शन इकट्ठे मिला दिए। गलत ट्रीटमेंट के परिणामस्वरूप नाबालिक बच्ची की मौत हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया था। घटना की गंभीरता और जनता का आक्रोश देखते हुए रनेह पुलिस ने तत्काल अपराध 37/26 धारा 105 **BNS** और धारा 24 मेडिकल काउंसलिंग एक्ट का मामला दर्ज कर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर लीलाधर चौधरी को पुलिस ने 23 मई 2026 को न्यायालय में पेश किया था जहां न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया था। गत दिवस पुलिस ने पुनः पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया था। आरोपी सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब 3 से 4:00 बजे के बीच थाना अभिरक्षा से फरार हो गया। थाना प्रभारी चंदन सिंह निरंजन को जैसे ही घटना की जानकारी लगी तत्काल पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी को जानकारी दी तत्काल अलर्ट जारी कर दिया गया, संभावित स्थानों पर लगातार दबिस दी जा रही है और हथकड़ी तोड़कर भागे आरोपी को पकड़ने के प्रयास किया जा रहे हैं। पुलिस का कहना है अभिरक्षा से भागा आरोपी अति शीघ्र सलाखों के पीछे होगा। आरोपी पर पुलिस अभिरक्षा से भागने का मामला पंजीबद्ध किया गया है।

रुक-रुक कर हो रही बारिश से धान की रोपाई ने पकड़ी रफ्तार, खेतों में जुटे किसान

तेंदूखेड़ा। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में पिछले पाँच दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों के चेहरों पर खुशी लौटा दी है। लगातार हुई वर्षा से खेतों में पर्याप्त पानी भर गया है, जिससे खरीफ सीजन की प्रमुख फसल धान की रोपाई का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। सुबह से लेकर शाम तक किसान अपने परिवार एवं कृषि मजदूरों के साथ खेतों में धान लगाने में जुटे हुए हैं। क्षेत्र में धान की खेती मुख्य रूप से दो पद्धतियों से की जाती है। पहली पद्धति मचा नर्सरी तैयार कर रोपाई की है, जिसमें पहले छोटे क्षेत्र में धान की पौध तैयार की जाती है। पौधे तैयार होने के बाद उन्हें उखाड़कर पानी से भरे खेतों में कतारबद्ध तरीके से रोपा जाता है। दूसरी पद्धति साधारण बुवाई की है, जिसमें धान के बीज सीधे खेत में बोए जाते हैं। क्षेत्र के अधिकांश किसान परिस्थितियों एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुसार इन दोनों विधियों का उपयोग करते हैं। इस समय खेतों में चारों ओर किसानों की चहल-पहल देखने को मिल रही है। कहीं किसान धान की पौध उखाड़ने में लगे हैं तो कहीं महिलाएं एवं मजदूर पानी से भरे खेतों में रोपाई कर रहे हैं। ग्रामीण अंचलों में खेतों का यह दृश्य खरीफ सीजन की रौनक को दर्शा रहा है। पर्याप्त वर्षा होने से किसानों को अच्छी फसल की उम्मीद जगी है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश धान की खेती के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हुई है। यदि आगामी दिनों में भी मौसम अनुकूल बना रहा और वर्षा का क्रम इसी प्रकार जारी रहा, तो धान की फसल बेहतर होने की संभावना है। हालांकि किसान यह भी मानते हैं कि अत्यधिक वर्षा या लंबे समय तक जलभराव होने की स्थिति में फसल को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए वे मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि धान की रोपाई के लिए वर्तमान मौसम अनुकूल है। उन्होंने किसानों को खेतों में जल स्तर संतुलित बनाए रखने, समय-समय पर खरपतवार नियंत्रण करने तथा आवश्यकतानुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी है।

कुएं में गिरी गाय को किया रेस्क्यू

बनवार। ग्राम बम्होरी स्थित छीर मंदिर के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब झगड़ते मवेशियों के झुंड में से एक गाय अचानक पानी से भरे कुएं में गिर गई। कुएं में गिरने के बाद गाय बाहर निकलने के लिए तड़पती रही। घटना की सूचना ग्राम निवासी रामकिशन रैकवार द्वारा बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को दी गई। सूचना मिलते ही कार्यकर्ता तुरंत मौके पर पहुंचे और बिना देर किए रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया। रेस्क्यू टीम में शामिल मुकेश खटीक, गुल्ली विश्वकर्मा, बबलू ठाकुर, मनोज विश्वकर्मा और घनश्याम सेन सहित अन्य साथियों ने जान जोखिम में डालकर कुएं में उतरकर गाय तक पहुंच बनाई। कड़ी मशक्कत के बाद गाय को पनघट के समीप लाया गया, जहां ऊपर खड़े अन्य साथियों की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। पानी से लबालब भरे कुएं में उतरकर किया गया यह रेस्क्यू अभियान बेहद जोखिम भरा था, लेकिन बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने खतरे की परवाह किए बिना साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए गाय की जान बचा ली। इस सराहनीय कार्य से उन्होंने क्षेत्रवासियों का दिल जीत लिया।

एकलव्य विश्वविद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दमोह। मध्यप्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह में साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश शुक्ला ने कहा कि पुलिस कभी भी वीडियो कॉल के माध्यम से किसी नागरिक से संपर्क नहीं करती। यदि कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल, डिजिटल अरेस्ट या धमकी देकर ठगी का प्रयास करे तो घबराने के बजाय तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें। उन्होंने नागरिकों से ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने तथा किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचने की अपील की।

साथ ही सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि (आईपीएस) ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से साइबर सुरक्षा संबंधी संदेशों को परिवार, मित्रों और समाज तक पहुंचाकर जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया, नगर पुलिस अधीक्षक एच.आर. पांडे, दमोह देहात थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय, सूबेदार अभिनय साहू, सागर नाका चौकी प्रभारी विक्रम दांगी, एकलव्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पवन जैन, प्रो. प्रफुल्ल शर्मा, विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, स्टाफ तथा अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 1 में जलभराव से छात्राओं एवं रहवासियों की बढ़ी परेशानी

तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड क्रमांक 1 से शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी विद्यालय जाने वाले मुख्य मार्ग पर पिछले लगभग पाँच दिनों से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इस मार्ग से प्रतिदिन विद्यालय आने-जाने वाली छात्राओं को घुटनों तक भरे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या नई नहीं है, बल्कि प्रत्येक वर्ष बारिश के मौसम में यही हालात बन जाते हैं। इसके बावजूद नगर परिषद द्वारा अब तक स्थायी जल निकासी की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जब भी इस मार्ग से दोपहिया या अन्य वाहन गुजरते हैं तो पानी उछलकर छात्राओं की स्कूल ड्रेस खराब कर देता है। इससे छात्राओं को मानसिक असहजता के साथ-साथ अनावश्यक परेशानी भी उठानी पड़ रही है। वहीं जलभराव के कारण मार्ग के किनारे स्थित मकानों में रहने वाले रहवासी भी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। कई घरों के सामने पानी जमा होने से आवागमन बाधित हो गया है तथा गंदगी और मच्छरों के बढ़ने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। नगर परिषद के उपन्यत्री भूपेंद्र सिंह का कहना है कि जहां पर जल भराव है वह मेरे संज्ञान में है मैं पानी निकासी के लिए प्रयास करता हूं ताकि छात्राओं को आने जाने में बारिश में समस्या ना हो।

करंट लगने से महिला की मौत, बेटा सहित छह लोग झुलसे

दमोह। जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर में करंट लगने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसे बचाने पहुंचे बेटे सहित छह लोग करंट की चपेट में आ गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।जानकारी के अनुसार, बंसल परिवार के घर के गेट में अचानक करंट प्रवाहित हो गया। गेट के संपर्क में आने से भागबाई बंसल (पत्नी प्रेमलाल बंसल) करंट की चपेट में आ गईं। उन्हें बचाने पहुंचे उनके पुत्र संजय बंसल को भी करंट लग गया। इसके बाद एक-एक कर बचाव के लिए पहुंचे कुल छह लोग करंट की चपेट में आ गए।घटना में भागबाई बंसल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल संजय बंसल का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। अन्य घायलों को भी प्राथमिक उपचार दिया गया।बारिश के मौसम में बिजली संबंधी हादसों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में बिजली के खंभों, तारों, लोहे के गेट और अन्य धातु की वस्तुओं को छूने से पहले विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हत्या के मामले में पैरोल से फरार सजायाफ्ता आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। पुलिस ने हत्या के प्रकरण में कारावास की सजा प्राप्त कर पैरोल पर रिहा होने के बाद फरार चल रहे आरोपी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना तेजगढ़ क्षेत्र के हत्या के एक प्रकरण में न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास से दंडित आरोपी दशरथ अहिरवार पिता धनुआ अहिरवार, उम्र 41 वर्ष, निवासी झलौन को वर्ष 2019 में पैरोल पर रिहा किया गया था। पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद आरोपी वापस जेल नहीं लौटा और लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की अनुपस्थिति के कारण माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर द्वारा उसके विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए गए अनुविभागीय अधिकारी तेंदूखेड़ा अर्चना अहीर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से लगातार तलाश की गई। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस टीम ने आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र राज्य के उस्मानाबाद जिले के अंबी गांव में चिन्हित की। योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वहां दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधिवत दमोह लाया गया तथा न्यायालय, दमोह के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे पुनः जेल भेज दिया गया।पुलिस ने इस कार्रवाई के माध्यम से वर्षों से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया है। यह कार्रवाई फरार अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान की सफलता का महत्वपूर्ण उदाहरण है तथा जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में एसडीओपी अर्चना अहीर, थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा सरोज ठाकुर, नगर निरीक्षक रावेंद्र बागरी थाना प्रभारी जबेरा, आलोक त्रिरपुरे थाना प्रभारी तारादेही, अरविंद सिह थाना प्रभारी तेजगढ़ , सहायक उप निरीक्षक गजराज सिंह, प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी, आरक्षक विशाल बैन, आरक्षक भगत सिंह, साइबर सेल दमोह के प्रधान आरक्षक सौरव टंडन, प्रधान आरक्षक राकेश अठ्या तथा आरक्षक मयंक बढ़गैया का सराहनीय योगदान रहा।

नरसिंहगढ़ में 6 माह के सिलाई प्रशिक्षण का समापन

80 महिलाओं को मिले प्रमाण पत्र

नरसिंहगढ़। ग्राम नरसिंहगढ़ में हाईडलबर्ग सीमेंट कंपनी एवं परिवार सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में संचालित छह माह के सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में कंपनी के एचआर हेड विश्वकांत मिश्रा, प्लांट हेड सुरेश दुबे, एचआर विभाग से आलोक तिवारी एवं निशांत चौरसिया, ब्लॉक मिशन मैनेजर अंकुर सोनी, सहायक विकासखंड प्रबंधक अंकित खरे, परिवार सोसायटी के सचिव ललित कुमार त्यागी, परियोजना प्रबंधक ऋषिपाल सिंह, सुपरवाइजर हरदास प्रजापति, गौतम गुप्ता तथा डॉ. गौतम यादव सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। छह माह तक चले इस प्रशिक्षण में

प्रशिक्षिकाओं सोनम राजपूत, कामना विश्वकर्मा एवं टिनकल अहिरवार ने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के परिधान तैयार करने का प्रशिक्षण दिया। इसमें कंपनी में उपयोग होने वाली जैकेट, बैग, अंडरगारमेंट्स, सलवार-कुर्ता, ब्लाउज, ट्राउजर सहित अन्य परिधानों की सिलाई का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल रहा। परिवार सोसायटी एवं माईसेम के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त करना था। प्रशिक्षण में लगभग 80 युवतियों एवं महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को विधिवत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस प्रशिक्षण में नरसिंहगढ़ के अलावा बकायन, कल्याणपुर, चकेरी, भाट, खेजरा कला, पिपरिया चंपत सहित आसपास के कई गांवों की युवतियों एवं महिलाओं ने भाग लेकर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया। अतिथियों ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखने पर बल दिया। इस अवसर पर सुरेश दुबे, प्लांट हेड विश्व कांत मिश्रा, एचआर हेड आलोक तिवारी, निशांत चौरसिया डॉ. गौतम यादव ललित त्यागी, सचिव, परिवार सोसाइटी परियोजना प्रबंधक ऋषिपाल सिंह हरदास प्रजापति व गौतम गुप्ता उपस्थिति रहे।